भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 22**

30.11.2015 को उत्‍तर के लिए

**पेड़-पौधों और पशुओं को खतरा**

**22. डा. के. पी. रामालिंगम:**

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के वैज्ञानिक और वर्गीकरण विज्ञानियों ने पिछले एक वर्ष के दौरान 349 प्रकार की नर्इ वनस्पतियों और पौधों की खोज की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरीसृप की दो प्रजातियों का पता भी देश में पहली बार चला है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्‍तर**

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री प्रकाश जावडेकर)**

(क) और (ख) भारतीय वनस्‍पति सर्वेक्षण (बीएसआई) और भारतीय प्राणि-विज्ञान सर्वेक्षण (जेडएसआई) के वैज्ञानिकों और वर्गीकरण विज्ञानियों द्वारा किए गए वैज्ञानिक अध्‍ययनों के अनुसार, वर्ष 2014 के दौरान पौधों की 148 नई प्रजातियों एवं 107 नए वनस्‍पति रिकार्डों (केवल भारत के लिए) और 176 नई प्राणिजात प्रजातियों एवं 61 नए प्राणिजात रिकार्डों (केवल भारत के लिए) की खोज की गई है । प्रजातियों के ब्‍यौरे बीएसआई द्वारा ''प्‍लांट डिस्‍कवरीज 2014'' और जेडएसआई द्वारा ''एनीमल डिस्‍कवरीज 2014'' के रूप में प्रकाशित किए गए हैं ।

(ग) और (घ) जी हां, 2014 के दौरान देश में पहली बार सरीसृपों की दो प्रजातियों का पता लगाया गया है। ये तिरूनवेली, तमिलनाडु में पाई गई हेमिडेकटाइलस एकेंथोफोलिस और पंचमढ़ी, सतपुड़ा बाघ रिजर्व, मध्‍य प्रदेश और पोपटखेड, अमरावती जिला, महाराष्‍ट्र में पाई गई ''युब्‍लेफारिस सतपुरेंसिस'' प्रजातियां हैं ।

\*\*\*\*